स्पष्टीकरण **1**
(संख्या। के लिए नम्बर. 2.3., वाक्य 1)

शरण चाहने वालों के लिए पुस्तिका
स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए

आप यहाँ फरी स्टेट साकसन में शरण के लिए आए हूए हैं और आप का सक्षम स्वास्थ्य प्राधिकारी चिकित्सक मुआईना करे गा । इस मुआईना से आप में संचारी रोगों के बारे में पता लगाया जाए गा , उन का इलाज किया जाए गा और उन की मज़ीद आगे फैलने से रोक थाम की जाए गी । यह मुआईना करने के लिए सब से पहले आप की दिलचसपी देखी जाए गी , परन्तू ज़ाहिर है कि यह मुआईना उन लोगों के लिए भी दिलचसपी रखता है जो आप के साथ इस इकठे रहने वाली इमारत में मौजूद हैं ।

इस मुआईना में आप के पूरे शरीर का चैकअप किया जाए गा (इसी तरहाँ आप में संचारी रोगों के बारे में भी पता लगाया जाए गा) , आप की छाती का एकस-रे किया जाए गा (15. साल की उमर से) या फिर छोटे बच्चों से ले कर 15. साल की उमर तक के बच्चों का तपेदिक के लिए स्किन टैसट किया जाए गा और गर्भवती महिलायों का और 13. साल की उमर के बच्चों के खून का सैंपल लिया जाए गा जिस से हेपेटाइटिस ए और बी (संक्रामक पीलिया) इसी तरहाँ से खसरा, कण्ठमाला रूबेला, और चेचक के खिलाफ प्रतिरक्षा का पता लगाया जाए गा । इस रोग के पाए जाने की सुरत में आप के पाखाने की परीक्षा भी की जाए गी जिस से आंतों में संक्रमण के रोगज़नक़ों के बारे में पता चले गा ।

यादि स्वास्थ्य अधिकारी डाकटर को किसी दूसरे रोग के बारे में पता चलता है, तो आप को और टैसट करवाने के लिए भी कहा जा सकता है ।

इस मुआईने का नतीजा निकालने के बाद डाकटर आप को एक सर्टीफिकेट जारी कर दे गा ।

यादि इस संचारी रोगों के इलाज या इस के आगे फैलने की रोकथाम में कोई रुकावट पाई गई या इस रोग का इलाज करने के लिए में कोई ज़रूरी कदम उठना पडा तो यह स्वास्थ्य अधिकारी डाकटर आप के मुआईने के रिज़लट को किसी दुसरे उतरदाई इदारा को भेज सकता है ।

दूसरी सुरत में यह मुआईना के रिज़लट सिरफ तब ही किसी दुसरे को दिए जाएँ गे , अगर आप इस की इजाज़त दें गे ।

और जानकारी जिस में शरण चाहने वालों का मैडिकल इलाज शामिल है आप विदेशीयों के केंदरी कार्य से और बाद में स्वास्थ्य अधिकारी से भी लै सकते हैं ।

आप से बेनती है , कि यह आप को दिया गया चिकित्सा के इतिहास प्रपत्र (जिस में चिकित्सा के इतिहास के बारे में प्रश्न) हैं पुर करें और स्वास्थ्य कार्यालय के डाकटर को दे दें , जो आप के टैसट के लिए मौजूद है ।
आप से बेनती है कि हर एक बच्चे के लिए अलग से फारम फिल करें ।

एड्स / एचआईवी, हेपेटाइटिस सी और अन्य यौन के संचरित इनफैकशन की सलाह के लिए और इसी तरहाँ उन की प्रयोगशाला परीक्षण के लिए आप को ज़रूरत के समय इस पहले टैस्ट के बाद किसी और जगह के सक्षम स्वास्थ्य प्राधिकारी के पास भेजा जा सकता है । इस का तभी फाईदा हो गा यादि आप में इन रोगों का कोई रिस्क पाया जाता हो , किउँके हो सकता है, कि अतीत में आप को इन रोगज़नक़ों का इनफैकशन हूआ हो या फिर अतीत में आप में इन उपर लिखे गए रोगज़नक़ों के लक्षण मौजूद हों । यह परीक्षण पूरी तरह से स्वैच्छिक हैं और सिरफ आप की रज़ामन्दी से ही की जाए गा । अपके परीक्षण के परिणाम को गोपनीय रखा जाए गा ।

रोग के बारे में जानकारी

एड्स / एचआईवी इनफैकशन

एड्स एक इम्यूनों की कमज़ोरी का रोग है , जो एक मानव इम्यूनो- वायरस (एचआईवी) के लगने से होता है । यह मानव इम्यूनो वायरस (एचआईवी) शरीर में खास तौर पर रक्षा कोशिकाओं पर आक्रमण करता है और उनहें नष्ट कर देता है ।

इस एचआईवी इनफैकशन के कुछ ही हफतों के बाद पहले पहल फ्लू जैसे लक्षण नज़र आते हैं जेसे बुखार और शरीर में दर्द होती है । एचआईवी के इनफैकशन के आगे का मरहला हर एक व्यक्ति में अलग अलग से होता है । प्रतिरक्षा प्रणाली के बढ़ते हुए नुकसान के कारण बाद में रोगज़नक़ों के साथ गंभीर इनफैकशन हो सकते हैं , जिस से स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली ठीक नहीं रिह सकती है, और इसी तरहाँ कभी कभी कैंसर और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र की गंभीर बीमारियाँ भी हो सकती हैं ।

हेपेटाइटिस सी

यह बीमारी एक हेपेटाइटिस-सी- वायरस (एचसीवी) के इनफैकशन से होती है जिस का पता ही नहीं चलता है । फिर भी, वायरस-वाहक व्यक्ति को यह रोग लग जाता है । उस में इस रोग के लक्षण मौजूद होते हैं , और इस लिए उसे एसी शिकायतें होने लगती हैं जेसे उसे भुक नहीं लगती, थकावट होती है, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, अधिजठर दर्द, मतली, उल्टी और हलका हलका बुखार रहता है । इस के इलावा उस की स्किन पर और आँखों के नज़दीक वाली स्किन का रंग पीला पडने लगता है । यह एचसीवी का रोग कभी भी एकेला नहीं होता है । चार में से तीन रोगीयों का रोग चिरकालिक बन जाता है । कुछ सालों में ही उस के जिगर को गंभीर नुकसान होने लगता है ।

सिफिलिस

सिफिलिस को (उपदंश भी कहते हैं) यह रोग पूरे संसार में फैला हूआ, एक संक्रामक रोग है । यह रोग जिसे सिफिलिस कहते हैं एक सूक्ष्म सर्पिल बैक्टीरिया से होता है । एक सिफिलिस के रोग के फैलने के बुहत से मरहले होते हैं । इस रोग के लक्षण हर एक व्यक्ति में अलग अलग से होते हैं और साफ नज़र आते हैं ।

इस इनफैकशन के 3 हफतों के बाद ही इनफैकशन की जगह पर (जेसे यौन अंगों पर) पुटिका होता है और यह बाद में नासूरदार बन जाता है , इस में कोई दर्द नहीं होती है और कभी कभी खूद से ठीक भी हो जाता है । इस का यह मतलब नहीं, कि इनफैकशन पूरी तरहाँ से खतम हो गया है , बलके हो सकता है, कि यह किसी खतरनाक मरहले में पुहंच गया हो । पूरे शरीर पर धपड पड जाते हैं, लिम्फाडेनोपैथी नज़र आते हैं । इस इनफैकशन के कई सालों बाद आप के विभिन्न अंगों को जेसे हार्ट, महान महाधमनी, जिगर, हड्डीयों और तंत्रिका तंत्र में स्थायी नुकसान होने लगता है ।

यादि यह इनफैकशन गर्भावस्था औरतों में हो जाए , तो इस बैक्टीरिया से अजन्मे को भारी नुकसान हो सकता है ।